दस वे कन्हैया चोरी किथे किथे किती आ

दस वे कन्हैया चोरी किथे किथे किती आ,
किस दे घर दा मक्खन खादा किस दे लस्सी पीती आ॥

इक सखी कहंदी मेरी उंगल मरोड़ी,
दूजी सखी कहंदी इन्हे चूड़ी मेरी चूड़ी तोड़ी,
तिज़ी सखी कहंदी मेरी चुन्नी फाड़ दित्ती आ,
दस वे कन्हैया चोरी.....

इक सखी कहंदी मेरे अंदर सी बड़या,
दुजी सखी कहंदी ओ शिक्के उत्ते चढ़या,
तीजी सखी कहंदी ओहने मटकी फोड़ दित्ती आ,
दस वे कन्हैया चोरी.....

इक सखी कहंदी मेरे घर शाम आया सी,
5-7 गोवालिया नू नाल लियाया सी,
तिज़ी सखी कहंदी ओने हद कर दित्ती आ,
दस वे कहनिया चोरी.....

इक सखी कहंदी मैनु नच के दिखा दे,
दूजी सखी कहंदी मैनु बंसरी सुना दे,
इन सखियां ने मेरी मार दित्ती आ,
दस वे कहनिया चोरी.....

सुन मेरी मैया चोरी मैं नहीओ किती आ,
ना मैं किसे दा मक्खन खादा,
ना मैं लस्सी पीती आ,
सुन मेरी मैया चोरी मैं नहीओ किती आ.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23778/title/das-ve-kanhayia-chori-kithe-kithe-kiti-aa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |